आदेश की क्र0स0 एवं तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर कार्रवाई की टिप्पणी सहित
1	2	3
27/12/2018	अभिलेख उपस्थापित। राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक एवं अंचल अमीन का जांच प्रतिवेदन प्राप्त हुआ। जांच प्रतिवेदन अंकित है कि **"मौजा–रहेया** में जाकर राजस्व कागजात एवं नक्शा का मिलान करने अंचल अमीन के साथ स्थलीय जांच किया। जांच में पाया कि गैरमजरूआ खास **खाता सं0 45 प्लौट सं0–289 रकबा 45 डी0 पर जहागीर मियां पिता रसूल मियां** के द्वारा जोत कोड़ किया जा रहा है। उनके द्वारा बंदोबस्ती पर्चा अनुमण्डल पदाधिकारी बन्दोबस्ती वाद सं0 140/2002–03 प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूमि का मांग पंजी II के पेज नं0 65/1 पर कायम है। **रसीद 2012–13** तक निर्गत है। इस प्रकार उक्त जमाबंदी अवैध प्रतित नहीं होता है। अतः उक्त जमाबंदी को को सदेहास्पद जमाबंदी से मुक्त किया जा सकता है।" अतः अंचल अमीन, राजस्व उपनिरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक के द्वारा समर्पित किए गए जांच प्रतिवेदन एवं सुनवाई से प्राप्त तथ्यों के आधार पर संदेहास्पद जमाबंदी से मुक्त करते हुए वाद की कार्रवाई......फाइल......की जाती है। लेखापित एवं संशोधित। 3/1/19 अंचल अधिकारी, मनातू। 3/1/19 अंचल अधिकारी, मनातू।	

सेवा में
अंचल अधिकारी
मनातू, पलामू।
विषय :- अवैध जमाबंदी वाद सं० 101/2016-17 का
जाँच प्रतिवेदन

महाशय,
उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि मौजा रहेला में जाकर राजस्व कागजात एवं नक्शा से मिलान करके अंचल अमीन के साथ स्थलीय जाँच किया। जाँच में पाया कि गै० खास खाता सं० 45 प्लॉट सं० 289 रकबा 45 डि० जहांगीर मिया एवं खलील मियां के द्वारा जोत-कोड़ किया जा रहा है। इनके द्वारा बंदो० पर्चा भ०० प०० के बंदो० वाद सं० 140/02-03 प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूमि का मांग पंजी II के पृष्ठ सं० 657 पर कायम है। लगान रसीद 2012-13 तक निर्गत है। इस प्रकार उक्त जमाबंदी अवैध प्रतीत नहीं होता है।
अतः उक्त जमाबंदी को अवैध जमाबंदी से मुक्त किया जा सकता है।

विश्वासभाजन
धीरेन्द्र दीक्षित
रा० उ० नि०
हल्का – III

[signature] 29/12/18
[signature] 24/12/18
RSI+CI
[signature] अंचल अधिकारी

अंचल अधिकारी .... का कार्यालय

अभिलेख वाद संख्या- 1011/16-मनातू

वाद का प्रकार- बिहार (झारखण्ड) भूमि सुधार अधि0 1950 की धारा 4(h) के तहत जांच एवं कार्रवाई से संबंधित।

झारखण्ड सरकार के ज्ञापांक-2074/रा0, दिनांक-13.05.2016 सहपठित-श्री अनुज मुखर्जी, निदेशक, भू-अर्जन-सह-विशेष सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का पत्र संख्या-8-खा0म0तिति-119/85/2308/रा0, दिनांक-03.09.1986 एवं सह-पठित राजस्व विभागीय, परिपत्र संख्या-914/रा0, दिनांक-09.12.1998 में निहित निदेश के अनुपालन में गैरमजरूआ खास भूमि की कायम की गयी जामबंदियों की जांच प्रारंभ की गयी। जांच के क्रम में हल्का राजस्व कर्मचारी एवं अ0नि0द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि निम्नांकित विवरणी की भूमि :-

मौजा- रेवखा थाना- 346 खाता संख्या- 115 प्लॉट संख्या- 289 रकबा- 0.45 एकड़ की भूमि जो गैरमजरूआ खास, अनाबाद बिहार (झारखण्ड) सरकार के खाते की सरकारी भूमि है, जिसकी जमाबंदी उस मौजा के पंजी-II के जिल्द संख्या-............ के पृष्ठ संख्या- 65/4 पर जमाबंदी रैयत ठाकुर [illegible] के नाम से कायम है।

हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक द्वारा जांचोपरान्त उपर्युक्त विवरणी की भूमि के विरुद्ध कायम जमाबंदी को संदिग्ध प्रतिवेदित किया गया है।

हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक द्वारा समर्पित जांच प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उपर्युक्त जमाबंदी बिना सक्षम प्राधिकार के आदेश के/ अवैध बंदोबस्ती के आधार पर/ अवैध कोडकर बंदोबस्ती के आधार पर/ अवैध लगान निर्धारण के आधार पर/ सादा हुकुमनामा के आधार पर, कायम की गयी है, जिसका उद्देश्य निजी लाभ एवं राज्य को क्षति कारित करना है।

प्रथम दृष्टया उपर्युक्त से स्पष्ट होता है कि उपर्युक्त विवरणी की जमीन की सृजित जमाबंदी अवैध प्रतीत होती है, जिसका बिहार (झारखण्ड) भूमि सुधार अधिनियम 1950, की धारा 4(h) के तहत जांच किया जाना वांछनीय प्रतीत होता है।

अतएव, संबंधित जमाबंदी रैयत को नोटिस निर्गत कर उपर्युक्त भू-खण्ड से संबंधित मूल दस्तावेजों/ निर्गत लगान रसीद की मांग करें तथा उनको कारण-पृच्छा करें कि क्यों नहीं उक्त जमाबंदी को अवैध मानते हुए इसे बिहार (झारखण्ड) भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(h) के तहत सक्षम प्राधिकार को रद्द करने हेतु अनुशंसित किया जाय।

अभिलेख दिनांक- 15/9/016 को उपस्थापित करें।

लेखापित एवं संशोधित

अंचल अधिकारी

अंचल अधिकारी
मनातू

E:\Sec 5 New Awaidh Jamabandi.docx

अंचल अधिकारी, मनातू का कार्यालय

वाद अभिलेख संख्या ....101..../2016(अन्तर्गत धारा 4(h),BLR Act,1950)

नोटिस

बनाम जहाँगीर मियाँ पि० रसूल मियाँ
सा० - नौडिहा

एतद् नोटिस द्वारा आपाको सूचित किया जाता है कि मैजा नौडिहा रंकेया थाना नं0........ खाता नं0......45... खेसरा नं0....289.....रकबा...0.45 डि० से संबंधित आपके नाम से हो0 नं0........ पंजी भाग के पृष्ठ ....पर दर्ज जमाबंदी प्रथम दृष्टया राजस्व कर्मचारी ने अंचल निरीक्षक माध्यम से जॉचोपरान्त संदिन्ध प्रतिवेदित किया है ।

अतएव आप उक्त संबंध मे दिनांक .... को समय 11:00 बजे पूर्वाह्न मे उक्त रिटर्न 1 भूमि बंदोबस्ती से संबंधित हुकुमनामा भूतपूर्व जमीदार द्वारा निर्गत जमीदारी रसीदो, फार्म सरकार मे जमीदारी निहित होने के बाद सरकार द्वारा निर्गत राजस्व रसीदो निर्गत परवाना एवं ट साक्ष्यो की मूल प्रति / सत्यापित प्रति जो आपके उक्त भूमि पर दावे की पूष्टि करता हो, के साथ अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय प्रकोष्ठ मे उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तूत करे ।

सनद रहे कि अन्यथा कि स्थिति मे समझा जायेगा कि उक्त संबंध मे आपको कुछ नही क तथा उपलब्ध दस्तावेज / साक्ष्यो के आधार पर समुचित निर्णय पर पहुचते हुए दर्ज जमाबंदी के मे युक्ति युक्त निर्नय लेते हुए विधिसम्मत अनुशंसा कर दी जाएगी।

इसे सख्त ताकिद जाने।

तिथि :

मुहर

स्थान :

6/12/24

अंचल अधिकारी

अंचल अधिकारी
मनातू, पलामू

संदिग्ध / संदेहास्पद जमाबंदी संबंधी जाँच प्रतिवेदन

1. संदिग्ध / संदेहास्पद जमाबंदी रैयत का नाम :– जहांगीर मिर्जा, डी॰ ए॰ मयूम– मि॰अ॰ ह॰ऊ॰ – नौडीहा

2. जमाबंदी से संबंधित भूमि का विवरण :–

मौजा	थाना सं०	खाता सं०	प्लॉट सं०	रकबा
प॰ नौडीहा ग्राम – रब्बा	346	45	289	0·45 डि॰

3. जमाबंदी पंजी–II के जिल्द संख्या........... पृष्ठ सं० 65/4 पर कायम है –

4. जमाबंदी किस वर्ष कायम है – 2012-13

5. खतियान के अनुसार उपरोक्त भूमि के खातेदार का नाम :–

6. किस सक्षम प्राधिकार / पदाधिकारी के आदेश से जमाबंदी कायम की गई है :– SDO डालटनगंज

7. यदि संदेहास्पद जमाबंदी नामान्तरण द्वारा स्थापित है तो मूल जमाबंदी रैयत का नाम :–

8. मूल जमाबंदी कायम किए जाने का आधार (अनिबंधित सादा हुकुमनामा / लगान निर्धारण / अवैध भूबंदोबस्ती – 14 ग/02-03

9. संदेहास्पद जमाबंदी की जाँच किस राजस्व अभिलेख से की गई (भूतपूर्व जमींदार द्वारा दाखिल रिटर्न / बन्दोबस्ती पंजी / लगान निर्धारण पंजी / भू–हस्तांतरण पंजी)

10. संदेहास्पद जमाबंदी में अंकित लगान रसीद संख्या एवं वर्ष –

क्र0 संख्या	लगान रसीद संख्या	रसीद निर्गत तिथि	वसूली वर्ष
1	4968824	29/9/12	2002-03 – 2012-13

(signature)

आदेश की क्रम सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख सहित
1	2	3
	अभिलेख उपस्थापित किया गया। प्रतिवादी उपस्थित नहीं हुआ। अतः पुनः द्वितीय नोटीस निर्गत करें तथा तिथि को रखें। अंचल अधिकारी [illegible]	

Digitally signed by MADAN KUMAR SUMAN
Date: 2025.12.31 12:52:41 +05:30
Location: 10.100.138.156